

खुले दि शौच ना कौरौ



Bangani

खुले दि शौच ना कौरौ

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

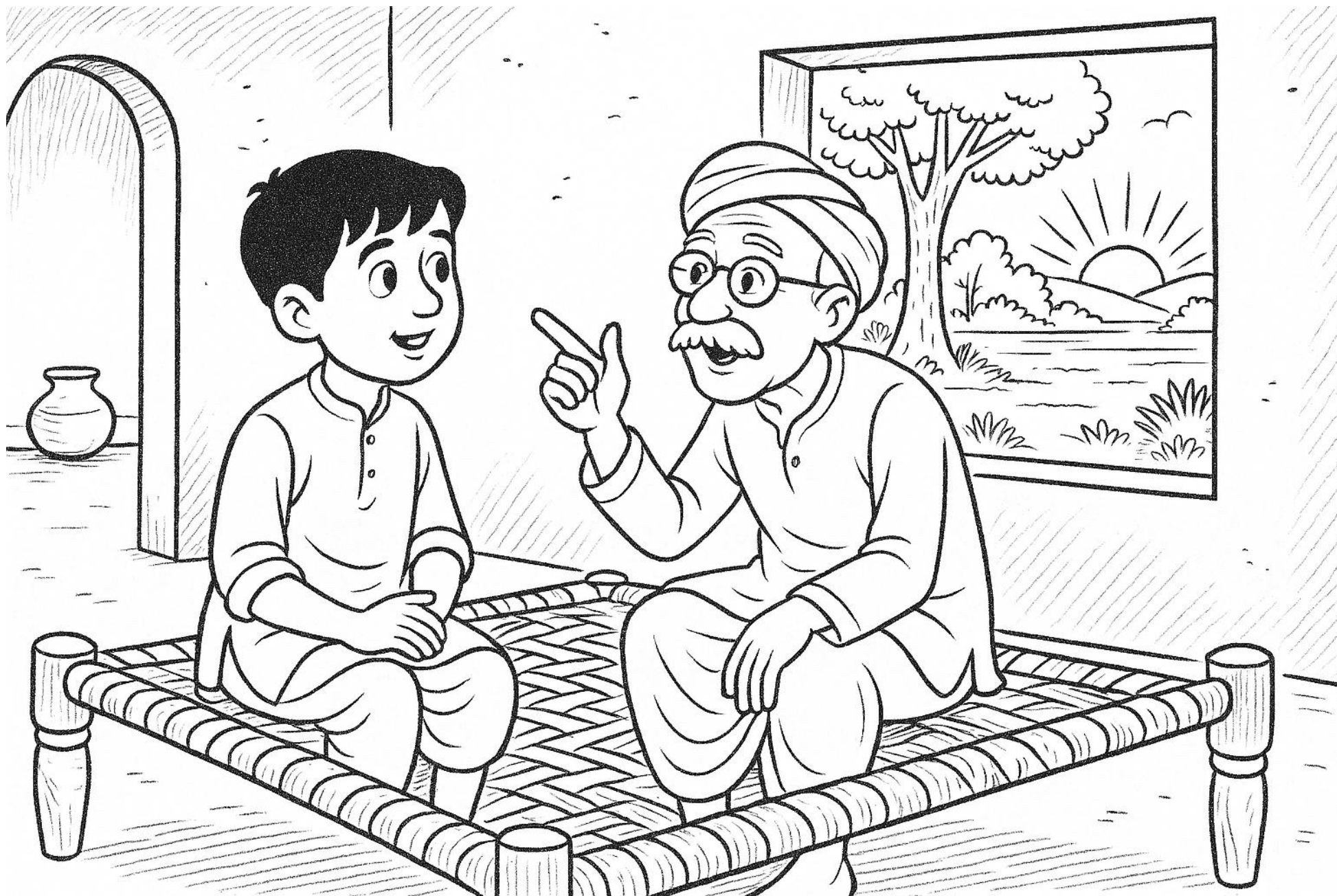
दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

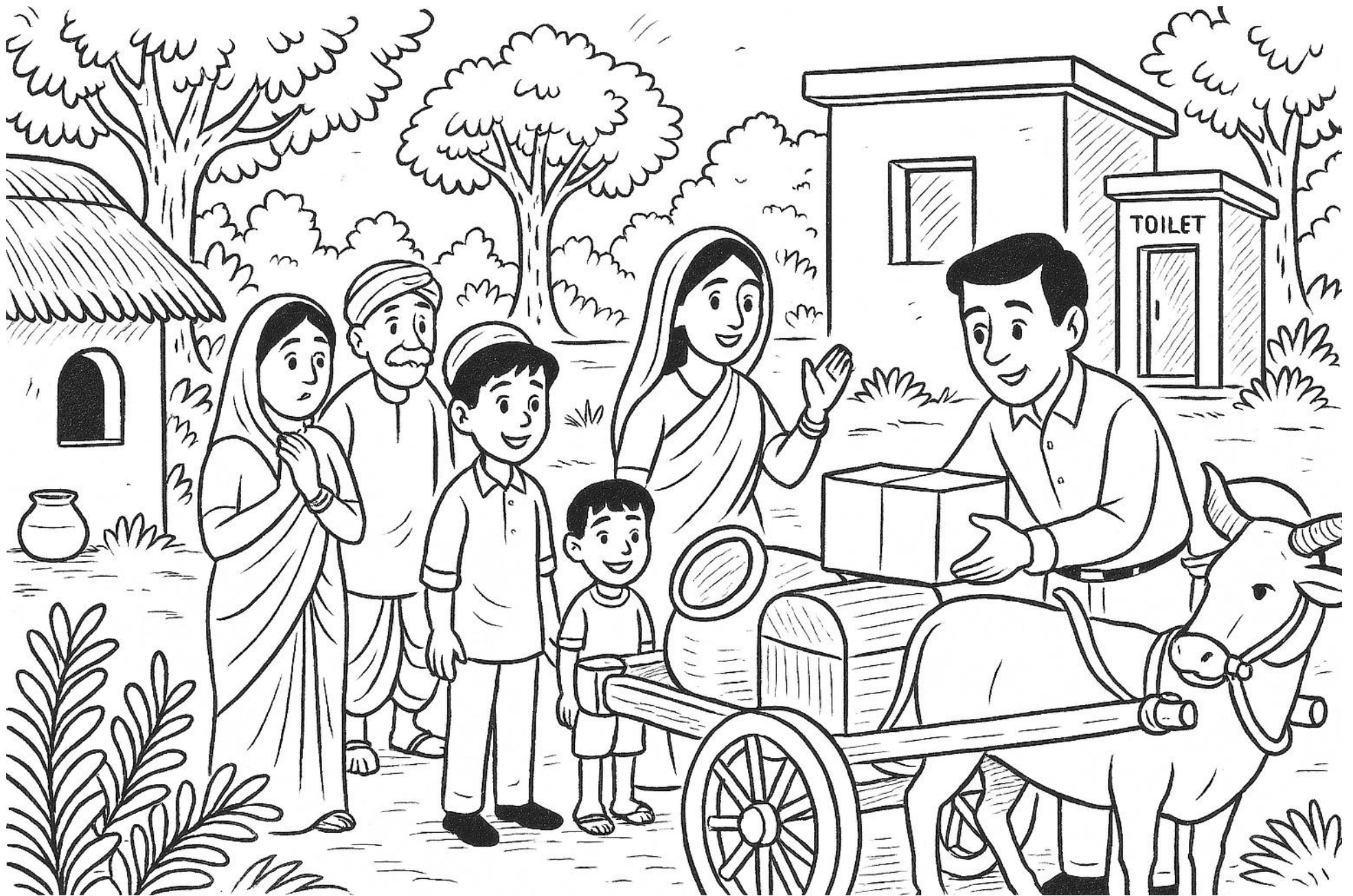
॥धन्यवाद॥



एक गाउँ दि राजू नौऊँ रौ एक लौड़कौ थौ
तिंऊँ शौचालय ना चाणौ । एज़ि बौज़ै कौइ
सेउ रातिकै हर रोज़ शौच कौरदै डोखरेदि
डै थौ । औज़ि गाउँ रै ज़ादा लोग एशौइ
कौरैण थै ।



राजू रौ दादा बोलै थौ कि ऐ आमारै बाप
दादाउँ री पौरंपौरा कि खुले दि शौच कौरदै
डेणै रवी, रातिकै बौड़िया औज़ि ताज़ी
बागुर औयै। सै एज़ि आदतेइ आसानी कौइ
मानैण थै।



एक दूस शैर कौइ राजू रै गाउँ दि एक नौ
पौरिबार रौन्दै आओ, तेसरौ नौऊँ रमेश
थौ। शैर दि तिउँरै गौरेदि एक पाक्कौ,
मज़बुत शौचालय थौ चाणौन्दौ।



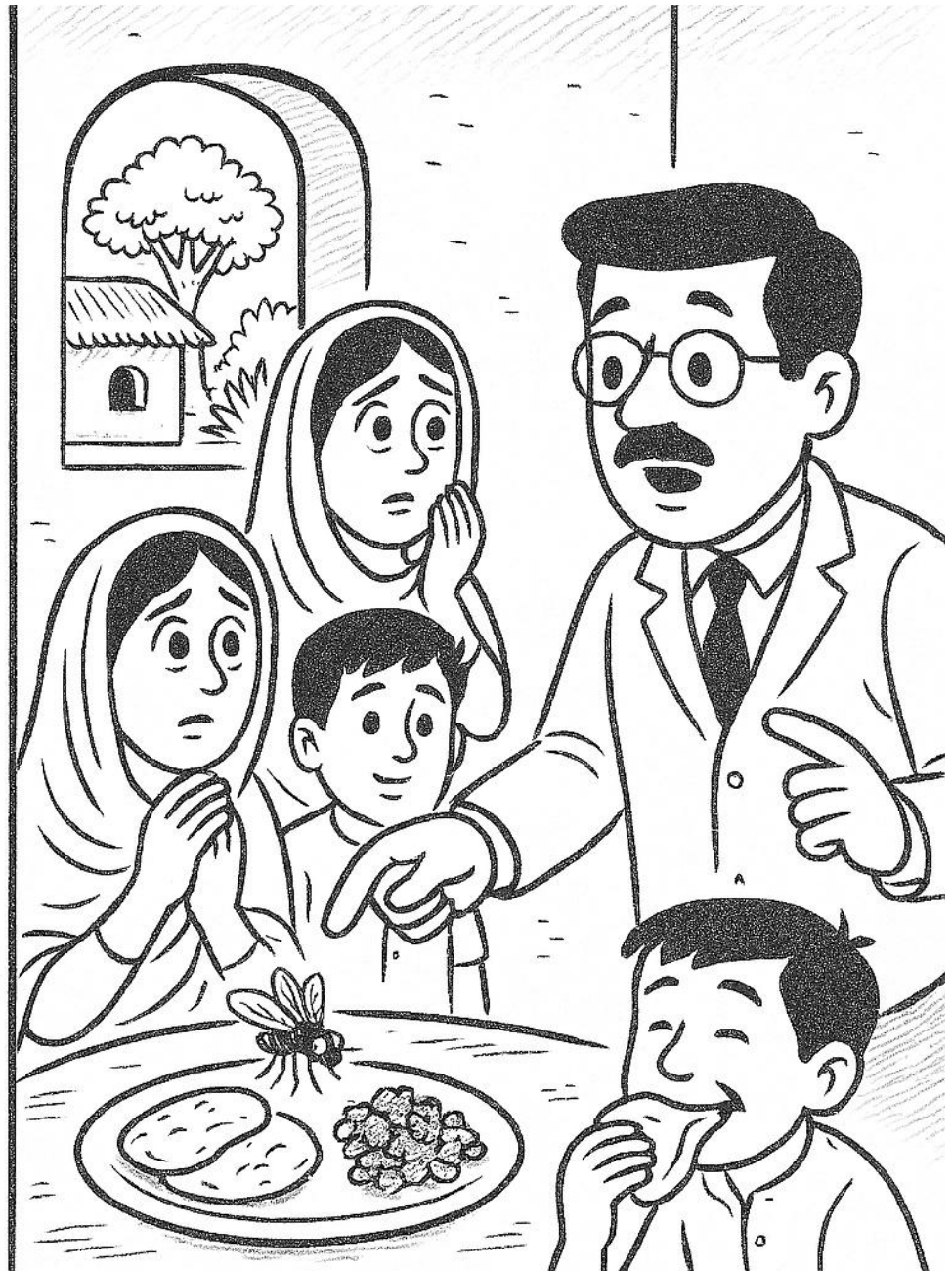
गाउँ रै लोगु रमेश कौइ पुछ्छौ कि तुमै गौरेदि
बित्रै शौच केलाइ कौरैण । रमेशेइ बोलौ कि
आमुं गौरेदि बित्रेइ एक शौचालय चाणौन्दौ,
एउ बीमारी कौइ बौचणेखी एक बौडिया
तौरिकौ औयै । औजि एउ पौरिबार री
सुरक्षा खी बौरी जौरुरी ।



कुछ दूस बासियै गाउँ दि काफी लोग
बीमार उन्दै लागै, छोटै पेटारौं दौस्त
औज़ि उल्टी री सौमस्या औन्दि लागी।
एज़ि बौज़ै कौइ पुरौ गाउँ बौरी पौरेशान
उवौ।



डौक्टेरेइ बोलौ कि गाउँ दि ऐ बीमारी खुलै
दि शौच कौरणै रै बौजै कौइ रौइ औई।
आमारौ कियौन्दौ शौच कौइ बैक्टीरिया
पाणी औज़ि खाणै माइं मिलैण एज़ि
बौजै कौइ हैजा औज़ि डायरिया बाशी
बीमारियै फैलैण।



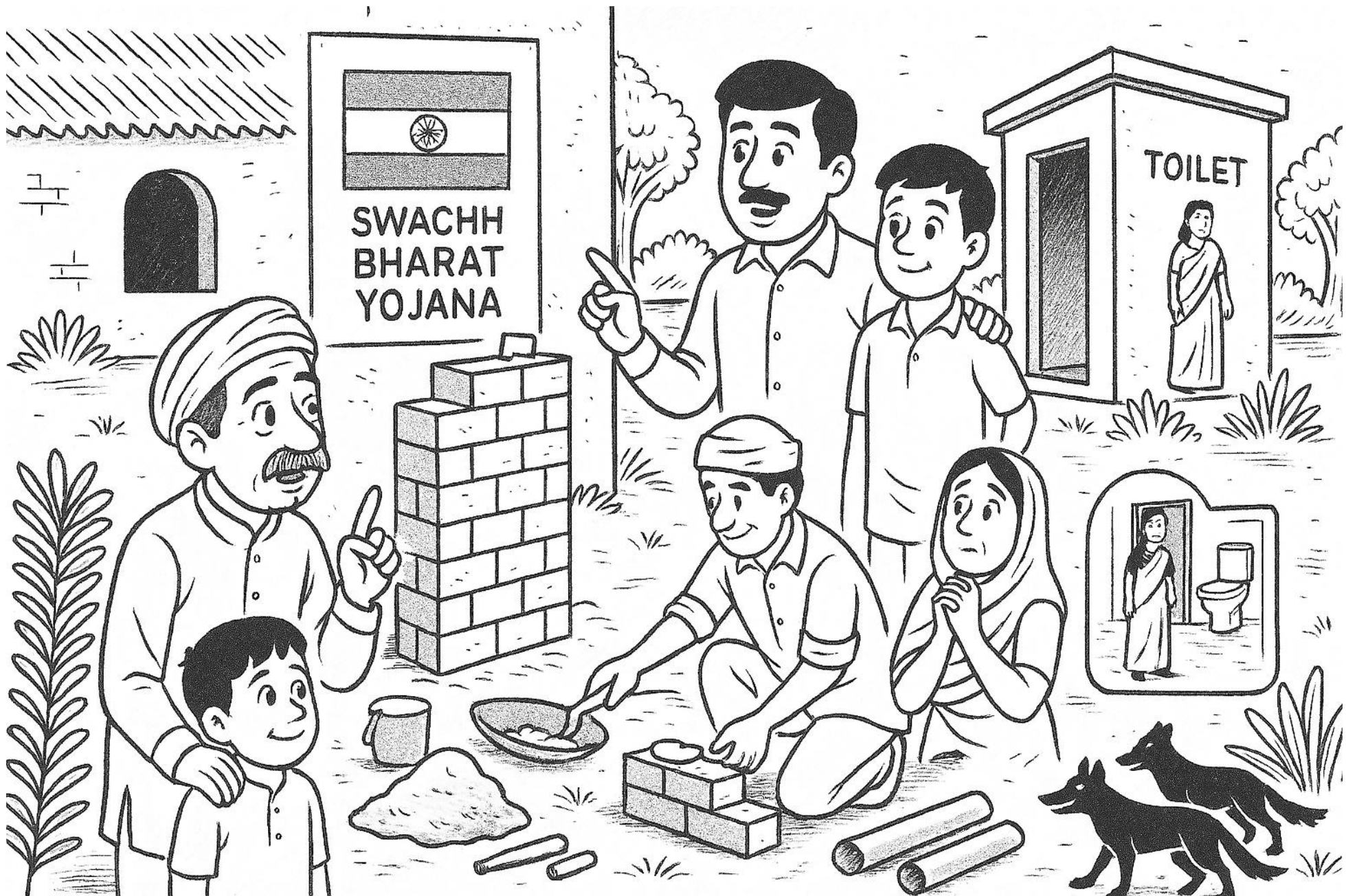
राजूइ देखौ कि खुले दि शौच कौरणे री
बौजै कौइ तेसमाइं माखै औज़ि किड़ै
बोशैण, औज़ि सै माखै औज़ि किड़ै गौरुदि
आइयौ खाणै माइं बी बोशैण, एज़ि बौजै
कौइ पुरौ पौरिबार री सेहत खौराब औयै ।



गाउँ दि एक साफ सौफाइ दि काम कौरणै
वाळी आई। औज़ि तियै सारै ज़ौणै
सौमज़ायै कि आमुं केत्राइ बी खुले दि शौच
ना च़ाइं कौरणै। एसकौइ माटौ औज़ि पाणी
पौरदुशित औयै। औज़ि एसकौइ पेटारौउं दि
कुपोषण औज़ि कमज़ोरी बौड़ै।



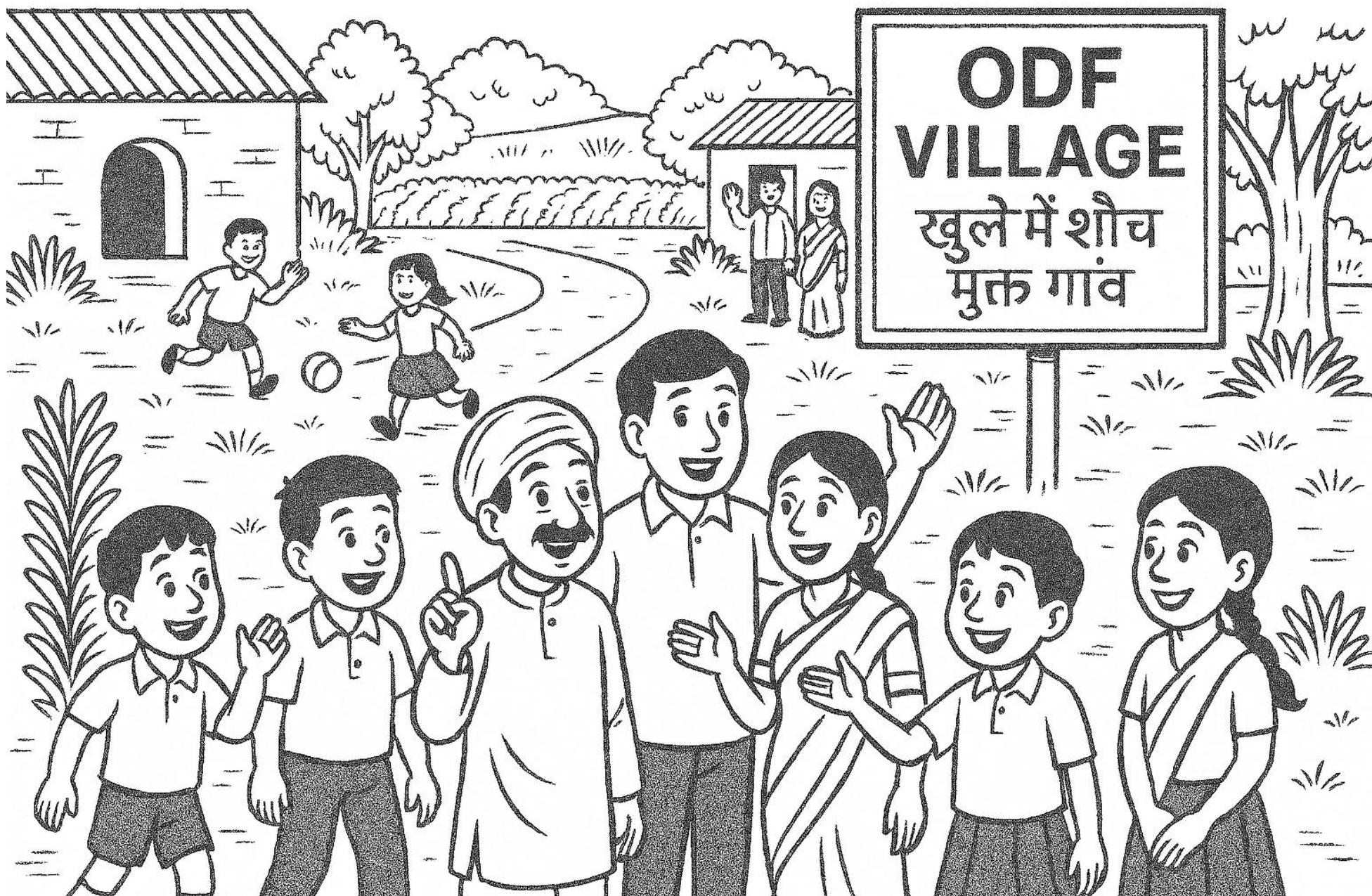
तैबै राजू रौ दादाइ बोलौ कि खुलै दि शौच
कौरणौ छेउड़िउं खि सुरक्षित ना नौथि
औज़ि राती खी साप औज़ि जानबरुं रौ डौर
औई सौकै। एसखी आमैं शौचालय रौ
उपयोग कौरियौ ऐ सौमस्या दुरै औई सौकै।



राजूइ आपकाइ गौरकै शौचालय चाणने रौ
फैसलौ कियौ। एसखी तिउँकै सौरकार
कौइ बी कुछ पौइंशा मिलै, तैबै राजूइ
आपड़ै गौरे दि एक शौचालय चाणौ।



राजू री बौइण बी ठीक औई गोइ थी, सै
ऐबै इस्कुलकै डेन्दि लागी गोइ थी। तियै
आपडै दोस्तु आरी बोलौ कि शौचालय
चाणनै कौइ बीमारियै कम औयै। ऐबै राजू
रौ पुरौ पौरिबार शौच कौरदै शौचालय दि
डैण थै। तिउं खुले दि शौच कौरणौ पुरौ
छोड़ी गोऔ थौ।



आराम आराम कौइ गाउँ दि बीमारियै बी
कम औन्दि लागी औज़ि गाउँ बी साफ
सुथरौ औन्दै लागौ। राजुइ औज़ि तेसरै
दोस्तु बी दुजौउँ आरी बोलौ कि शौच
कौरणे खी शौचालय रौ उपयोग कौरियो
एसकौइ आमै औज़ि आमारौ गाउँ साफ
औज़ि खुश रौयै लै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

